भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **195**

जिसका उत्तर मंगलवार, 4 फरवरी, 2025/15 माघ, 1946 (शक) को दिया जाना है।

आयातित उर्वरकों पर निर्भरता कम करना और घरेलू उत्पादन बढ़ाना

195. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को आयातित उर्वरकों पर भारत की निरंतर निर्भरता की जानकारी है और इस निर्भरता को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(ख) क्या सार्वजनिक, सहकारी और निजी क्षेत्रों में निवेश सहित घरेलू उर्वरक उत्पादन को बढ़ाने के लिए कोई नई पहल की गई है या नीतियां बनाई गई हैं;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है; और
(घ) देश में उर्वरकों के इष्टतम उपयोग के लिए नैनो यूरिया और प्राकृतिक खेती जैसे नवीन समाधानों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए किन-किन उपायों पर विचार किया जा रहा है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): उर्वरकों का स्वदेशी उत्पादन देश की आवश्यकता के अनुरूप नहीं है और इस अंतर को आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान उर्वरकों के उत्पादन, खपत और आयात से संबंधित विवरण नीचे दिया गया है:-

यूरिया			
वर्ष	**उत्पादन**	**खपत**	**आयात**
2021-22	250.72	341.73	91.36
2022-23	284.94	357.26	75.80
2023-24	314.07	357.81	70.42

पीएंडके			
वर्ष	**उत्पादन**	**खपत**	**आयात**
2021-22	185.23	294.70	90.92
2022-23	200.35	279.12	112.01
2023-24	189.26	288.42	106.53

यूरिया के संबंध में, सरकार ने यूरिया क्षेत्र में नए निवेश को सुविधाजनक बनाने और यूरिया क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2 जनवरी, 2013 को नई निवेश नीति (एनआईपी)-2012 की घोषणा की और 7 अक्टूबर, 2014 को इसमें संशोधन किया। एनआईपी-2012 के तहत कुल 6 नई यूरिया इकाइयां स्थापित की गई हैं जिनमें नामित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनियों (जेवीसी) के माध्यम से स्थापित 4 यूरिया इकाइयां और निजी कंपनियों द्वारा स्थापित 2 यूरिया इकाइयां शामिल हैं। तेलंगाना में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) की रामागुण्डम यूरिया इकाई तथा हिंदुस्तान उर्वरक एंड रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) की 3 यूरिया इकाइयां नामत: गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी क्रमश: उत्तर प्रदेश, झारखंड और बिहार में जेवीसी के माध्यम से स्थापित इकाइयां हैं। पश्चिम बंगाल में मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (मैटिक्स) की पानागढ़ यूरिया इकाई; और राजस्थान में चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (सीएफसीएल) की गड़ेपान-।।। यूरिया इकाई निजी कंपनियों द्वारा स्थापित इकाइयां हैं। इनमें से प्रत्येक इकाई की संस्थापित क्षमता 12.7 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एलएमटीपीए) है। ये इकाइयां अत्यधिक ऊर्जा कार्यकुशल हैं क्योंकि ये अद्यतन प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं। अत:, इन इकाइयों ने मिलकर यूरिया उत्पादन क्षमता में 76.2 एलएमटीपीए की वृद्धि की है जिससे वर्ष 2014-15 के दौरान की 207.54 एलएमटीपीए की कुल स्वदेशी यूरिया उत्पादन क्षमता (पुनर्आकलित क्षमता, आरएसी) बढ़कर वर्ष 2023-24 में 283.74 एलएमटीपीए हो गई है। इसके अलावा, कोयला गैसीकरण रूट पर 12.7 एलएमटीपीए का एक नया ग्रीनफील्ड यूरिया संयंत्र स्थापित करके नामित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के जेवीसी नामत: तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के माध्यम से एफसीआईएल की तालचेर इकाई के पुनरुद्धार के लिए एक विशेष नीति भी अनुमोदित की गई है।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने आरएसी के अतिरिक्त स्वदेशी यूरिया उत्पादन को बढ़ाकर अधिकतम करने के एक उद्देश्य से मौजूदा 25 गैस-आधारित यूरिया इकाइयों के लिए 25 मई, 2015 को नई यूरिया नीति (एनयूपी)-2015 भी अधिसूचित की है। एनयूपी-2015 से यूरिया का उत्पादन वर्ष 2014-15 के दौरान हुए वार्षिक उत्पादन की तुलना में 20-25 एलएमटी अधिक हुआ है।

इन उपायों से यूरिया उत्पादन वर्ष 2014-15 के दौरान 225 एलएमटी प्रतिवर्ष से बढ़कर वर्ष 2023-24 के दौरान बढ़कर 314.07 एलएमटी का रिकार्ड यूरिया उत्पादन हुआ है।

पीएण्डके उर्वरकों के संबंध में, सरकार ने फास्फेटयुक्त और पोटाशयुक्त (पीएण्डके) उर्वरकों के लिए 1.4.2010 से पोषक-तत्व आधारित सब्सिडी नीति लागू की है। इस नीति के अंतर्गत, अधिसूचित पीएण्डके उर्वरकों पर उनमें पोषक-तत्व मात्रा के आधार पर वार्षिक/द्विवार्षिक आधार पर सब्सिडी की एक नियत राशि उपलब्ध कराई जाती है। पीएण्डके क्षेत्र विनियंत्रित है और उर्वरक कंपनियां बाजार के उतार-चढ़ाव के अनुसार उर्वरकों का उत्पादन/आयात/घरेलू उत्पादन क्षमताओं का विकास करती हैं। इसके अलावा, आयातित उर्वरकों पर निर्भरता को कम करने के लिए, सरकार और निजी क्षेत्र द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

(i) अनुरोधों के आधार पर, उत्पादन को बढ़ावा देने और उर्वरक उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से एनबीएस सब्सिडी स्कीम के तहत नई उत्पादन इकाइयों या मौजूदा इकाइयों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि को अभिचिह्नित किया गया है/रिकॉर्ड में लिया गया है।

(ii) शीरे से प्राप्त पोटाश(पीडीएम), जो 100% स्वदेशी रूप से उत्पादित उर्वरक है, को पोषक-तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) स्कीम के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है।

(iii) एसएसपी, जो एक स्वदेशी रूप से उत्पादित उर्वरक है, पर माल भाड़ा सब्सिडी, मृदा में फास्फेटयुक्त या 'पी' पोषक तत्व प्रदान करने हेतु एसएसपी उपयोग को बढ़ावा देने के लिए खरीफ, 2022 से लागू है।

(घ): भारत सरकार ने उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 में नैनो यूरिया, नैनो जिंक, नैनो डीएपी, नैनो फास्फोरस और नैनो कॉपर को अधिसूचित और विनिर्दिष्ट किया है। प्रत्येक विनिर्माता के लिए एफसीओ में निर्दिष्ट विनिर्देशों के अनुसार नैनो उर्वरक का उत्पादन करना अपेक्षित है। 25 नवंबर 2024 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा यथा अनुमोदित प्राकृतिक खेती पर स्कीम, अर्थात राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ), बीजामृत, जीवामृत, दशपर्णी, नीमास्त्र आदि जैसे फार्म पर उत्पादित प्राकृतिक आदानों का उपयोग, बहु-फसली प्रणालियां, बायोमास-मल्चिंग आदि जैसी प्रथाओं के पैकेज के माध्यम से प्राकृतिक खेती को अपनाने पर केंद्रित है, जिससे बाहरी रूप से खरीदे गए रासायनिक आदानों पर निर्भरता कम हो जाती है और खेती के लिए इनपुट लागत कम हो जाती है। किसानों के लिए प्राकृतिक कृषि आदानों की आसान उपलब्धता के लिए, मिशन के तहत 10,000 आवश्यकता आधारित जैव-आदान संसाधन केन्द्र स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। इसके अलावा, नैनो यूरिया के उपयोग को विभिन्न कार्यकलापों जैसे जागरूकता शिविरों, वेबिनारों, नुक्कड़ नाटकों, फील्ड प्रदर्शनों, किसान सम्मेलनों और क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों आदि के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है। उर्वरक विभाग ने उर्वरक कंपनियों के सहयोग से परामर्श और फील्ड स्तरीय प्रदर्शनों के माध्यम से देश के सभी 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में नैनो डीएपी को अपनाने के लिए एक महा अभियान शुरू किया है। इसके अतिरिक्त, उर्वरक विभाग ने उर्वरक कंपनियों के सहयोग से देश के 100 जिलों में नैनो यूरिया प्लस के फील्ड स्तरीय प्रदर्शनों और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए अभियान भी शुरू किया है।

***